

टोक्यो पैरालंपिक खेल में प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों के लयि पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

30 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पैरालंपिक खेलों में पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके लयि पुरस्कार की घोषणा की है। राज्य सरकार **स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक वजिताओं को क्रमशः तीन, दो तथा एक करोड रुपए की राशा** देगी।

प्रमुख बदि

- मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक वजिता शूटर **सुशरी अवनलाखेरा को 3 करोड रुपए**, रजत पदक वजिता जेवलनि थ्रोअर **देवेंद्र झाझरया को दो करोड रुपए** तथा कांस्य पदक वजिता जेवलनि थ्रोअर **सुंदर गुरजर को एक करोड रुपए** इनामी राशा दी जाएगी।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने जीवटता की मसाल कायम करते हुए देश-प्रदेश का नाम रोशन कया है।
 - प्रदेश की अन्य खेल प्रतभाओं को भी उनकी इस उपलब्धिसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मलिंगी।
- उल्लेखनीय है कि प्रदेश में खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लयि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ओलंपिक खेलों में स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक जीतने पर दी जाने वाली **इनामी राशा 75 लाख, 50 लाख तथा 30 लाख रुपए को वर्ष 2020-21 के बजट में बढ़ाकर क्रमशः 3 करोड रुपए, 2 करोड रुपए तथा 1 करोड रुपए करने की घोषणा** की थी।
- इसी तरह **एशियाई एवं राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक जीतने पर दी जाने वाली 30 लाख, 20 लाख एवं 10 लाख रुपए की इनामी राशा को बढ़ाकर क्रमशः 1 करोड रुपए, 60 लाख रुपए एवं 30 लाख रुपए करने की भी उन्होंने बजट में घोषणा** की थी।
- खेलों को बढ़ावा देने के लयि राज्य में पदक वजिता खिलाड़ियों को **आउट ऑफ टर्न पॉलिसी** के आधार पर राजकीय सेवाओं में नयुक्तयि दी जा रही है।
 - टोक्यो पैरालंपिक खेलों में मेडल जीतने वाले तीनों खिलाड़ी अवनलाखेरा, देवेंद्र झाझरया तथा सुंदर गुरजर को राज्य सरकार **आउट ऑफ टर्न आधार पर वन वभाग में सहायक वन संरक्षक के रूप में नयुक्तिप्रदान** की है।